शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

# विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को मुख्यधारा में जोड़ने का सार्थक प्रयास

## सहयोग चाहिए आपका–मांगते दया नहीं

मार्च पास्ट करते बच्चे

**विशेष** आवश्यकताओं वाले बच्चों (CWSN) की शिक्षा सर्व शिक्षा अभियान का मुख्य घटक है। ऐसे बच्चों को पाठशाला स्तर पर ले जाना व उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए अभियान हमेशा प्रयासरत रहता है। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सर्व शिक्षा अभियान के सौजन्य से समय–समय पर पाठशाला स्तर, खण्ड स्तर, जिला स्तर व राज्य स्तर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होता रहता है। इन कार्यक्रमों में विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों व खेल प्रतियोगिताओं के द्वारा, उनमें उत्साह भरने, आत्मविश्वास पैदा करने व व्यक्तित्व का विकास करने के उद्देश्य से आवश्यक रुप में मंच प्रदान किया जाता है।

सांस्कृतिक गतिविधियों व खेलों का चयन बच्चों की शारीरिक स्थिति व उनकी अक्षमता को देखते हुए निर्धारित किया जाता है। बोची जैसी खेले जो विशेष तौर पर विशेष अक्षमताओं वाले बच्चों की खेल है, ऐसी प्रतियोगिताओं में सम्मिलित की जाती है।

इसके लिए विशेष तौर पर प्रशिक्षकों की सेवाएं भी ली जाती है। इसके अलावा सॉफ्ट बाल इन बकट, बाक रेस (पैदल दौड़) व्हील चेयर रेस जैसी गतिविधि को भी विशेष तौर पर इन प्रतियोगिताओं से जोड़ा गया है। क्योंकि इन बच्चों में बहुत से बच्चे अपने दैनिक कार्यों के लिए अपने अभिभावकों पर निर्भर रहते है। इसलिए प्रतियोगिताओं में अभिभावकों को भी बच्चों के साथ आंमत्रित किया जाता है व उनके आने–जाने का किराया व रहने व खाने की व्यवस्था भी आयोजकों की ओर से की जाती है।

इन प्रतियोगिताओं में बच्चों के साथ–साथ अभिभावकों का उत्साह भी देखने योग्य होता है। इन प्रतियोगिताओं में बहुत से बच्चे ऐसे भी होते हैं जिनमें अक्षमताओं का स्तर इतना ज्यादा होता है कि वे पाठशाला नहीं आ पाते हैं। इसके लिए अभियान ने उनके लिए घरों में ही 'जीवन कौशल शिक्षा' का प्रबंध किया हुआ है। यह कार्य विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं के माध्यम से किया जा रहा है।

मैं जीत कर दिखाऊंगी

गैर सरकारी संस्था (NGO) के माध्यम से इन विशेष बच्चों की भागीदारी को भी इन प्रतियोगिताओं में सुनिश्चित किया जाता है।

मुझे जीतना है अगर मैं जीत न सकूं तो जीतने का प्रयास करने दो इसी शपथ के साथ दिनांक 2 दिसम्बर, 2011 को मण्डी स्थित ऐतिहासिक पड्डल मैदान में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की चौथी राज्यस्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता शुरू हुई । शुभारम्भ समारोह में मुख्य संसदीय सचिव, लोक निर्माण, प्रारंभिक एवं उच्च शिक्षा विभाग श्री वीरेंद्र कंवर ने बतौर मुख्यतिथि शिरक्त की। प्रतियोगिता में प्रदेश के 11 जिलों के लगभग 600 विशेष खिलाड़ियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में श्री वीरेंद्र कंवर ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा खेलों को विशेष बढावा दिया जा रहा है तथा प्रदेश आज खेल राज्य की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चे हमारे समाज का अभिन्न अंग हैं तथा ये बच्चे खेलों में अदमय साहस

### चौथा राज्य स्तरीय योग्यता उत्सव

का परिचय देते है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेलों के लिए मूलभूत ढांचे को विकसित किया जा रहा है, जिसके लिए ऊना, शिमला, बिलासपुर व धर्मशाला में इंडोर स्टेडियमों का निर्माण किया गया है, जबकि सोलन व सिरमौर में यह बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिमला, धर्मशाला व ऊना में 47 लाख रूपये की लागत से टैराफ्लैक्स, वॉलीबाल स्टेडियम बनाए जा रहे है। युवा एवं खेल विभाग हिमाचल प्रदेश के निदेशक श्री जेआर कटवाल ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए आयोजित की जा रही इन खलों से बच्चों को समाज की मुख्य धारा में शामिल होने का मौका मिलता है। उन्होने बताया कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहली राज्य स्तरीय खेलें ऊना में आयोजित की गई थीं, जिससे गत चार वर्षों में इन खेलों के प्रति विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों का रुझान बढ़ा है। उन्होंने बताया कि इन खेलों पर इस वर्ष 12 लाख रुपये की राशि व्यय की जा रही है तथा इस प्रतियोगिता को चार भागों में बांटा गया है। सर्वशिक्षा अभियान के परियोजना निदेशक श्री राजेश शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रदेश वित्तायोग के अध्यक्ष श्री दिलेराम, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष श्री अजय राणा, खेल विभाग की संयुक्त निदेशक श्रीमती सुमन रावत, अनुसूचित जाति अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक मामले विभाग के उपनिदेशक श्री वीके मोदगिल, सदर भाजपा के मंडलाध्यक्ष श्री श्यामलाल ठाकुर सहित गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की एक झलक

सर्व शिक्षा अभियान द्वारा इन विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतू विशेष रूप से पण्डाल लगाया गया था। जिसमें बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार की प्रदर्शनियां भी लगाई गई।

पूरे सम्मारोह के दोरान बच्चे डीजे की धुनों पर थिरकते रहे। दूसरे दिन खेलकूद प्रतियोगिता का समापन मुख्य मंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने किया। सम्मापन समारोह में पंचायती मंत्री श्री जयराम ठाकुर, श्रीमती सरवीण चौधरी, सदर के विधायक श्री अनिल शर्मा व अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया। मार्च पास्ट में जिला सोलन अव्वल रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए मुख्य मंत्री ने 5–5 हजार रुपये प्रदान करने की घोषणा की।

इस उत्सव में सर्व शिक्षा अभियान के अंर्तगत प्रदेश के 10 जिलों के 161 विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों, 47 अभिभावकों तथा 44 अध्यापकों ने भाग लिया। इन प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को राज्य परियोजना अधिकारी श्री राजेश शर्मा द्वारा मैडल प्रदान किए गए तथा इस अवसर पर सभी विशेष आवश्यकता वाले बच्चों व उनके अभिभावकों को ट्रैक सूट भी वितरित किए गए।

सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे

बच्चों का उत्साह बना रहे, इस बात के लिए यह सुनिश्चित किया गया कि सभी बच्चों को पारितोषिक समारोह में मंच मिले। इसलिए सभी प्रतियोगियों को उनकी सहभागिता के लिए मैडल प्रदान किए गए। बच्चों के साथ–साथ उनके अभिभावकों के लिए यह पहला मौका था कि वे अपने बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जुड़ते व एक विजेता की तरह देख रहे थे। रास्ते मुश्किल सही मंजिलें भी दूर सही, लेकिन एक रास्ता व मंजिल उन्हें सामने दिख रही थी।

**पढ़ूंगा मैं पढ़ूंगा। शाला जाकर पढ़ूंगा।**
**छोटे–छोटे कदमों से धीरे–धीरे बढ़ूंगा।**
**अक्षमता कोई अभिशाप नहीं।**
**मंदबुद्वि होना भी कोई पाप नहीं।।**
**आगे बढ़ता जाऊंगा।।**
**जो न मिला है, उसका कोई गिला नहीं।**
**सहयोग चाहिए आपका, मांगता दया नहीं।।**
**हिमालय की चोटी होगी मेरी मंजिल।**
**जिन्दगी की जंग मैं जीत कर दिखाऊंगा।।**
**पढ़ूंगा मैं पढ़ूंगा। शाला जाकर पढ़ूंगा।**
**छोटे–छोटे कदमों से धीरे–धीरे बढ़ूंगा।**

# खण्ड स्तर पर सर्व–शिक्षा अभियान की गतिविधियां एवं उपलब्धियां

### शिक्षा खण्ड कोटखाई जिला शिमला

**परिचय** :– शिक्षा खण्ड कोटखाई हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में स्थित है। यह शिमला जिले के तहसील ठियोग, तहसील कुमारसैन, तहसील रोहडू और तहसील चौपाल के बीचों–बीच स्थित है। ये हुल्ली से खड़ा पत्थर, बेवन से बाधी तक फैला हुआ है। यहां की प्रमुख नदियां गिरि गंगा, गायत्री और चगांवती है। यहां पर लोग देवी–देवताओं में बहुत विश्वास व आस्था रखते है इस कारण यहां पर बहुत से मन्दिर बने हुए हैं। इनमें प्रमुख मन्दिर लकडांवीर क्यारी, दुर्गा मां महासू, देवता बेन्द्रा देवरी (क्यारी), महादेव पुड्ग और नाग देवता, चैथला इत्यादि हैं।

यहां बहुत प्रसिद्व पर्यटन स्थल है जिनमे प्रमुख स्थल हाटू पर्वत के साथ जो बाग, चाल शिखर के नीचे रेयोघाटी, दांदी शिखर के नीचे बान कुफर और गिरि गंगा के पीछे गरावग स्थित है। यहां बहुत सारे मेलों का आयोजन किया जाता है। जैसे बिशु, शांद, टिक्कर, महासू मेला (जात) और स्वाल मेला बहुत प्रसिद्व है। इन दो मेलों के दिन तहसील कोटखाई के अन्तर्गत स्थानीय अवकाश भी रहता है। यहां लोग अपनी पारम्परिक वेश–भूषा और लोक संस्कृति में पूर्ण विश्वास रखते है। यहां के लोग बहुत भोले–भाले है और सेब की बागवानी में यहां के लोग जिला स्तर पर ही नहीं बल्कि राज्य स्तर में भी अग्रणी रहे है।

**विद्यालय और छात्र, अध्यापक ब्योरा** :– इस खण्ड में कुल 145 सरकारी और 16 गैर–सरकारी (प्राइवेट) विद्यालय चल रहे है। सरकारी विद्यालयों में 102 प्राथमिक, 20 माध्यमिक, 06 उच्च और 17 वरिष्ठ माध्यमिक पाठशालाएं चल रही है। इन पाठशालाओं में कुल 5339 विद्यार्थी पहली से आठवीं कक्षा तक अर्थात प्रारम्भिक शिक्षा ग्रहण कर रहे है। प्राथमिक पाठशालाओं (पहली से पांचवीं तक) में कुल 1885 छात्र और 1700 छात्राएं व माध्यमिक स्तर (छठी से आठवीं तक) में 940 छात्र व 854 छात्राएं शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

इनमें सरकारी स्कूलों में पहली से पांचवी तक 1313 छात्र और 1305 छात्राएं तथा छठीं से आठवीं तक 685 छात्र व 715 छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे है। इन विद्यार्थियों को शिक्षा देने के लिए 274 अध्यापक और 143 अध्यापिकाएं इस समय कार्यरत हैं।

**कल्सटर (Cluster)** :– खण्ड में कुल 25 संकुल है।

**आधार भूत संरचना (ढांचा)** :–कोटखाई खण्ड में एस.एस.ए. द्वारा 102 कक्षा कमरे, 142 किचन शैड, 45 छात्रा शौचालय, 3 स्कूलों मे कम्प्यूटर, 19 रैम्प, 30 स्कलों में आधार स्तर बोर्ड 98 स्कूलों को बैठन हेतु फर्नीचर की सुविधा उपलब्ध करवाई है। फलस्वरूप खण्ड में 109 स्कूलों में खेल के मैदान, 9 स्कूलों में कम्प्यूटर सुविधा, 51 स्कूलों के पक्के भवन, स्कूलों में पानी की सुविधा जिसमें 136 में पानी नलके द्वारा और 9 स्कूलों में अन्य स्रोत से पानी की सुविधा उपलब्ध है। सभी स्कूलों में लाइब्रेरी की सुविधा (छोटी–छोटी किताबें) उपलब्ध हैं।

**मुफ्त पाठ्य पुस्तकें** :– खण्ड में सभी विद्यालयों के सामान्य वर्ग के छात्र एवं छात्राओं को एस.एस.ए. की तरफ से मुफ्त पाठ्य पुस्तकें दी जा रही है।

**मोबाईल स्कूल (AIE)** :–खण्ड में तीन मोबाइल स्कूल अर्थात ए.आई.ई. स्कूल चल रहे है। जिसमे गुज्जरों के बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। इनमें पहला पंथाघाटी दूसरा जंगल बेडर और तीसरा स्कूल पट्टीढांग में चल रहा है। जिसके सार्थक परिणाम आ रहे है।

**सतत् समग्र मूल्यांकन (CCE)** :– खण्ड के सभी स्कूलों में सतत् समग्र मूल्यांकन 6–14 वर्ष के बच्चों अर्थात पहली से आठवीं तक लागू है। फलस्वरूप 6–14 वर्ष के बच्चों का मूल्यांकन CCE के तहत किया जा रहा है। अध्यापकों द्वारा CCE को बहुत ही अच्छे तरीके से किया जा रह है। इसके बारे में सभी अध्यापकों को खण्ड स्तर का प्रशिक्षण भी दिया गया है। वार्षिक परिक्षा परिणाम और सी0सीई0 के तहत बनाया जा रहा है। जिसके बहुत सार्थक परिणाम सामने आने लगे है।

**1. विशेष उपलब्धियां** :–

**·अध्यापक प्रशिक्षण** :– सभी अध्यापकों को 15 दिन का प्रशिक्षण आवश्यक है। खण्ड के प्रारम्भिक शिक्षा के तहत सभी अध्यापकों को यह प्रशिक्षण TLM शिक्षण अधिगमन् सामग्री (Teaching Learning Method) की सहायता से दिया जाता है। जिसमें सभी अध्यापक खण्ड स्तर पर का कार्यशाला में नियमित करते है और स्कूलों में भी TLM राशि मु0 500/– रुपये में बच्चों की सार्थक TLM तैयार करके स्कूलों में शिक्षा व प्रशिक्षण में मिली महत्वपूर्ण जानकारियों को बच्चों तक बहुत ही अच्छे तरीके में पहुंचा रहे है जिसमे बच्चों की शिक्षा का स्तर ऊंचा ही रहा है। इसमें शिक्षकों का खण्ड पर बहुत अच्छा योगदान रह रहा है।

**2. साईंस/गणित किट** :–

·खण्ड के सभी माध्यमिक स्कूलों को साईंस व गणित किट सर्व शिक्षा अभियान द्वारा दी गई है। जिसका प्रयोग सभी स्कूलों में अध्यापकों द्वारा किया जा रहा है। फलस्वरूप बच्चों को ज्ञान बढ़ाने में इसके तहत बहुत रोचक तरीके से सहायता मिल रही है और शिक्षा का स्तर भी ऊंचा हो रहा है। इस किट के बारे मे शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है।

**3. लाइब्रेरी का प्रयोग** :–

·खण्ड के सभी स्कूलों में लाइब्रेरी की किताबों का बच्चों द्वारा पढ़ने हेतु निरन्तर प्रयोग किया जा रहा है। इसमें खण्ड के सभी शिक्षकों द्वारा लाइब्रेरी के उपयोग की जानकारी बच्चों को दी जा रही है। सर्व शिक्षा अभियान द्वारा मु0 10000/– रुपये की राशि से लाइब्रेरी की किताबें सभी स्कूलों का देने की प्रावधान भी किया गया है व प्राथमिक विद्यालयों के लिए 3000 रुपये की किताबें दी गई है।

**4. बाल–मेला आयोजन** :–

·बाल मेले का आयोजन हर वर्ष स्कूल, कलस्टर और ब्लॉक (खण्ड) स्तर पर किया जा रहा है। जिसमें सभी बच्चों के साथ अक्षम बच्चे (CWSN) भी भाग लेते है। बच्चों के साथ अभिभावक भी बढ़–चढ़ कर भाग लेते है और अपना पूरा सहयोग देते हैं। इस प्रतियोगिता में गुब्बारा दौड़, नारा लेख, चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, तीन टांग दौड़, जलेबी दौड़, चम्मच दौड़, TLM प्रतियोगिता की प्रतिस्पर्धा करवाई जाती रही है। TLM और अन्य कई स्पर्धा में कोटखाई खण्ड जिला स्तर पर ही नहीं , बल्कि राज्य व प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर चुके हैं।

**5. स्वच्छता** :–

·खण्ड के सभी स्कूलों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। पिछले वर्ष विकास खण्ड जुब्बल– कोटखाई स्वच्छता सर्वे अभियान के तहत राजकीय माध्यमिक पाठशाला जाशला खण्ड कोटखाई को स्वच्छता में प्रथम स्थान हासिल हुआ है।

**6. अति–सुन्दर भवन निर्माण** :–

·सभी स्कूलों में सर्व शिक्षा अभियान के दिये गये कक्षा कमरें अर्थात स्कूल भवन बहुत सुन्दर बने है। लेकिन राजकीय माध्यमिक पाठशाला भड़ेच में श्री बली राम शास्त्री व ग्रामीण शिक्षा समिति भडेच/SMC के सहयोग से स्कूल में अति–सुन्दर भवन अथवा कमरें का निर्माण किया है जो कि खण्ड में ही नहीं बल्कि जिला व प्रदेश स्तर पर एक मिसाल है।

**7. शिक्षा का अधिकार (RTE)**:–

·शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009 की सम्पूर्ण जानकारी सभी शिक्षकों को अध्यापक प्रशिक्षण के दौरान दी जा चुकी है और लगभग सभी स्कूल/अध्यापक RTE के अनुसार काम भी कर रहे है।

**8. VER (Village Edu. Register)** :–

·खण्ड के सभी स्कूलों द्वारा प्रति वर्ष VER (ग्रामीण शिक्षा रजिस्टर) भरा जा रहा है जिसमें सभी बच्चों 0–16 वर्ष तक का ब्यौरा रखा जाता है। स्कूल इसके लिए आँगनबाड़ी व पंचायत स्थानीय कमेटीयां व स्थानीय लोगों अर्थात अभिभावकों व स्थानीय लोगों का सहयोग लेता हैं।

**9. स्कूल प्रबन्धन समितियां (SMCs)** :–

·खण्ड के सभी स्कूलों में इस वर्ष स्कूल प्रबन्धन समिति गठित की जा चुकी है। जिनके सहयोग से स्कूल में विद्यालय विकास योजना बनाने व अन्य सभी प्रकार की स्कूली समस्या को दूर करने में SMC अपना पूरा सहयोग प्रदान कर रही है। स्कूल प्रबन्धन समितियों का कलस्टर स्तर और खण्ड स्तर पर तीन दिन का प्रशिक्षण करवाया जा रहा है। पिछले वर्ष भी यह प्रशिक्षण बहुत ही सफल व सार्थक रहा हैं।

**ग्रामीण शिक्षा समिति** :–

·सभी स्कूलों में पहले VEC बनी थी। उस समय भी सभी स्कूलों की ग्रामीण शिक्षा समितियों ने खण्ड में बहुत ही सराहनीय कार्य किए है। अब यह समिति VEC शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल प्रबन्धन समिति SMC में तबदील की गई है।

**10. गृह आधारित शिक्षा (Home based Education)** :–

·खण्ड में गृह आधारित शिक्षा सुश्री अनिता कालटा H.T GPS Kuenal द्वारा 09 बच्चों को दी जा रही है। जिसमें बच्चों के साथ–साथ अभिभावक भी अति खुश है। जिस कारण खण्ड में शिक्षा प्रगति की ओर अग्रसर है।

**11. Grants Recode** :–

·SSA द्वारा दी जा रही विभिन्न grant like MG=Maintenance grant, SD=School Development grant, TLM=Teacher Learning Material, R&E=Research & Evaluation and other grants को सभी विद्यालय की स्कूल प्रबन्धन समिति द्वारा खर्च कर रहे है और इन सारी राशियों का लेखा–जोखा भी रखा जा रहा है।

**12. छात्र–प्रगति कार्ड (Report Card)** :–

·खण्ड के सभी विद्यालयों द्वारा निरन्तर सतत् समग्र मूल्यांकन (CCE) किया जा रहा है और निरन्तर इसे छात्र प्रगति कार्ड में दर्शाया जा रहा है और वार्षिक परिणाम के दौरान यह कार्ड बच्चों के अभिभावकों को दिये जाते है। हर महीने अभिभावकों के इस कार्ड पर हस्ताक्षर होते है और बच्चों अथवा शिक्षा के प्रति उनकी टिप्पणी ली जाती हैं।

**13. क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research)** :–

·शिक्षा खण्ड कोटखाई द्वारा पिछले वर्ष एक क्रियात्मक अनुसंधान 'Environment awareness among the teacher Evaluation Study in the school of Education Block kotkhai' पर की। जिसकी जिला स्तर पर सराहना हुई है।

**14. Health Checkup** :–

·खण्ड के स्कूलों में विद्यार्थियों का Health checkup भी करवाया जा रहा है। पिछले वर्ष 2010 में 109 स्कूल में Health checkup किया गया।

**15. मध्याह्न भोजन** :–

·स्कूल में मध्याह्न भोजन बनाया जा रहा है। इसके लिए सभी स्कूलों में Mid-day-Meal worker तैनात कर रखे है। खण्ड में मध्याह्न भोजन सुचारू रूप चल रहा है।

**16. बच्चों और अध्यापकों के लिए फर्नीचर** :–

·खण्ड के सभी स्कूलों में अध्यापकों के लिए फर्नीचर सुविधा उपलब्ध करवायी गई है और SSA के माध्यम से 98 स्कूलों को फर्नीचर (बच्चों के बैठने के लिए) उपलब्ध करवा दिया है। और बाकि स्कूलों को भी दिया जा रहा है।

**17. सम्मानित अध्यापक** :–

·जिला स्तर पर अच्छे कार्य व शिक्षा के प्रगति के कार्य करने के लिए खण्ड के निम्न अध्यापक/अध्यापिकाएं बैस्ट अध्यापक के पुरस्कार से सम्मानित किये गये जिनमें ओम प्रकाश शर्मा TGT(N/M) GMS Kothi, पुष्प राज TGT(A) GMS Pujali, शालिनी परिहार TGT(A) GMS Domehar और मीनाषी ग्रामीण विद्या उपासक JPS Saintari और प्रमुख है।

**18. जिला व राज्य स्तर Resourse Person** :–

·SSA अभियान के तहत खण्ड कोटखाई में जिला स्तर ही नहीं बल्कि राज्य/प्रदेश स्तर के Resourse Person भी तैयार किए गये जिनमें O.P. Sharma TGT(N/M) GMS Kothi, Push Raj TGT(A) GMS Pujali, और अनुप TGT(M) GHS Alawang प्रमुख हैं।

**19. विद्यालय छोड़ने वाले विद्यार्थी (Drop Out)** :–

·खण्ड में किसी भी बच्चे ने स्कूल की पढ़ाई नहीं छोड़ी है अर्थात खण्ड में कोई भी Drop Out विद्यार्थी नहीं है यह खण्ड के लिए सराहनीय उपलब्धि है।

**20. अध्यापक–अधिगमन सामग्री (TLM)** :–

·खण्ड के सभी स्कूलों में अध्यापन कार्य TLM की सहायता से करवाया जा रहा है। जिससे बच्चा बहुत जल्दी समझ जाता है।

**21. विशेष उपलब्धि वाले स्कूल** :–

·खण्ड में कुछ स्कूलों में बहुत अच्छे कार्य हुए है जिनमें राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पुडग में स्कूल डायरी (बच्चों के लिए) व छात्र प्रगति कार्ड (Progress Card) वर्ष 2007 से लागू है। जिसके बहुत ही सार्थक परिणाम सामने आये व शिक्षा की प्रगति में एक सराहनीय कार्य हुआ। यही नहीं स्कूल ने अपना अध्यापक अभिभावक संघ, पंचायत व VEC के सहयोग से Sound system को खरीदा। जो हर रोज सुबह Morning Assembly में लगाया जाता है और अन्य स्कूल कार्यक्रम में भी इसका प्रयोग किया जा रहा है। इससे बच्चों को माईक से बोलने का शौक पैदा हुआ और Leadership Quality को भी प्रोत्साहन मिला फलस्वरूप सभी अभिभावकों व लोगों ने इसकी खूब सराहना की । यह सुविधा अब बहुत स्कूलों में उपलब्ध है। इसके अलावा राजकीय उच्च पाठशाला बधाल में स्कूली बच्चों के लिए बैठने का फर्नीचर व Uniform के साथ टाई (Tie) लगवाई गई जिसकी अभिभावकों ने खूब सराहना की और स्कूल में बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी हुई। Math और Science जो बच्चे English Medium से पढ़ना चाहते हैं, अध्यापक उन्हें English Medium में ही पढ़ा रहे हैं।

**22. खण्ड विकास योजना टीम (Block Planning Team)** :–

·खण्ड विकास योजना टीम में निम्नलिखित अध्यापकों व अधिकारियों का सहयोग रहता है जिसमें Block Planning Team का समूह निम्नलिखित हैं। :–

| | | |
|---|---|---|
| 1- | Sh. Jai Singh Chauhan | BEEO Kotkhai |
| 2- | Kumari Kamla Sharma | BEEO Kotkhai |
| 3- | Sh. Vinod Sharma | BRCC (UP) Kotkhai |
| 4- | Sh. Rajeev Sharma | HT GPS Dahar |
| 5- | Sh. Rakesh Negi | TGT(N/M) GHS Bakhol |
| 6- | Sh. O.P Sharma | TGT(N/M) GHS Kothi |
| 7- | Sh. Hari Dass | TGT(A) GSSS Himri |
| 8- | Sh. Pranhu Nand | TGT(A) GMS Shawala |
| 9- | Kumari Meenakshi | GVU GPS Saintori |
| 10- | Kumari Shalini Parihar | TGT(N/M) GHS Bakhol |
| 11- | Sh. Pushap Raj | TGT(A) GMS Pujali |
| 12- | Sh. Naresh Kumar | JBT GMS Domehar |
| 13- | Sh. Surat Ram | Lect. English GSSS Devghar |
| 14- | Sh. Surinder Singh | JE SSA Jubbal-Kotkhai |

**खण्ड स्रोत समन्वयक,**
**विनोद कुमार शर्मा**

### पाठकों से...

पाठकगण अपने जिला, खण्ड, संकुल या स्कूल में चल रही विभिन्न गतिविधियों/ सफलता की कहानियों के बारे में हमें सूचित करें। सर्व शिक्षा अभियान संबंधी यह पृष्ठ हर माह के अंतिम बुधवार को प्रकाशित किया जाता है। पाठकगण सर्व शिक्षा अभियान संबंधी किसी भी सुझाव व जानकारी के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं:–

**राजेश शर्मा**
**राज्य परियोजना निदेशक,**
**राज्य परियोजना कार्यालय ( सर्व शिक्षा अभियान ),**
**डी.पी.ई.पी.भवन, लाल पानी, शिमला**–171001

प्रस्तुति : **सीमा रानी**